BOARD OF SCHOOL EDUCATION HARYANA

Syllabus and Chapter wise division of Marks (2025-26)

Class: 12th **Subject: Philosophy** **Code: 588**

General Instructions:

1. There will be an Annual Examination based on the entire syllabus.
2. The Theory Examination will be of 80 Marks and 20 Marks weightage will be for Internal Assessment.

3. For Internal Assessment:

There will be Periodic Assessment that would include:

i) For 4 marks- Two SAT exams will be conducted and will have a weightage of 04 marks towards the final Internal Assessment.

ii) For 2 marks- One half yearly exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.

iii) For 2 marks- One Pre-Board exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.

iv) For 2 marks- Subject teacher will assess and give maximum 02 marks for CRP (Classroom participation).

v) For 5 marks- A project work to be done by students and will have a weightage of 05 marks towards the final Internal Assessment.

vi) For 5 marks- Attendance of student will be awarded 05 marks as:

75% to 80% - 01 marks
Above 80% to 85% - 02 marks
Above 85% to 90% - 03 marks
Above 90% to 95% - 04 marks
Above 95% to 100% - 05 marks

Course Structure (2025-26)

Class: 12th **Subject: Philosophy** **Code: 588**

Sr. No.	Chapter	Marks
1	Indian Philosophy and its Schools	10
2	Buddhism and Jainism Philosophy	10
3	Nyaya and Vaisesika Philosophy	10
4	Samkhya and Yoga Philosophy	08
5	Bhagwadgita and Vedanta Philosophy	08
6	Rationalism, Empiricism and and Kant's Critical Philosophy	06
7	Aristotle's Theory of Causation	08
8	Proofs for the Existence of God	06
9	Realism and Idealism	08
10	Theories of Punishment	06
	Total	**80**
	Internal Assessment	**20**
	Grand Total	**100**

Chapter 1: Indian Philosophy and its schools

• Meaning and Nature of Indian Philosophy

• Common Characteristics of Indian Philosophy

• Classification of Indian Philosophy - Theism and Atheism

• Theory of Rita and Karma

• Four Purushartha - Dharma, Artha, Kama and Moksha

Chapter 2: Buddhism and Jainism Philosophy

• Four Noble Truths - Suffering, Cause of Suffering, Cessation of Suffering, Path of Liberation

• Theory of Causation of Buddhism

• Middle Path or Astangamarg of Buddhism

• Anekantavada and Syadvada of Jainism

Chapter 3: Nyaya and Vaisheshika Philosophy

• Theory of Pramanas - Pratyaksa, Anumana. Upamana and Sabda

• Theory of Padartha - Dravya, Guna, Karma, Samanya, Vishesha, Samavaya and Abhava

Chapter 4: Samkhya and Yoga Philosophy

• Theory of Three Gunas - Sattva, Rajas and Tamas

• The Eight fold Practice - Yama, Niyam, Asana, Pranayama, Pratyahara, Dharna, Dhyana and Samadhi

Chapter 5:; Bhagwadgit and Vedanta Philosophy

• Karma Yoga, Savadharma and Lokasangraha

• The Nature of Atman, Brahma and the World

Chapter 6: Rationalism, Empiricism and Kant's Critical Philosophy

• Rationalism - Theory of innate ideas

- John Locke’s Theory of Substance
- Empiricism - Theory of Refutation of Innate Ideas
- Kant's Critical Philosophy - Synthesizes

Chapter 7: Aristotle's Theory of Causation

- Theory of Four Fold Causation - Material Cause, Efficient Cause, Formal Cause and Final Cause
- Cause-Effect Relationship
- Form and Matter

Chapter 8: Proofs for the Existence of God

- Nature of God
- Proofs for the Existence of God
- Ontological Argument
- Teleological Argumen
- Cosmological Argument

Chapter 9: Realism and Idealism

- Mind-Body Problem
- Concepts of Good and Right
- End-means Relationship
- Free Will and Determination

Chapter 10: Theories of Punishment

- Meaning and Definition of Punishment
- Preventive Theory of Punishment
- Retributive Theory of Punishment
- Reformative Theory Punishment

Month wise Syllabus Teaching Plan (2025-26)

Class: 12th **Subject: Philosophy** **Code: 588**

Month	Subject- Content	Teaching Periods	Revision Periods
April	**Indian Philosophy and its Schools**	20	4
May	**Buddhism and Jainism Philosophy**	20	4
June	Summer Vacation (Project Work)		
July	**Nyaya and Vaisheshika Philosophy**	20	4
August	**Samkhya and Yoga Philosophy** **Bhagwadgit and Vedanta Philosophy**	20	4
September	**Rationalism, Empiricism and Kant's Critical Philosophy** **Half Yearly Exam**	20	4
October	**Aristotle's Theory of Causation**	20	4
November	**Concept of God**	20	4
December	**Realism and Idealism**	20	4
January	**Theories of Punishment**	20	4

February	Revision	20	4
March	Annual Examination		

Note:

- **Subject teachers are advised to direct the students to prepare notebook of the Terminology/Definitional Words used in the chapters for enhancement of vocabulary or clarity of the concept.**

Prescribed Books: Any book based on new syllabus can be recommended by school head.

Question Paper Design (2025-26)

Class: 12th **Subject: Philosophy** **Code: 588**

Time : 2:30 Hours

Competencies	Marks	Percentage
Knowledge	32	40%
Understanding	24	30%
Application	16	20%
Skill	8	10%
Total	**80**	**100%**

Type of Question	Marks	Number	Description	Total Marks
Objective Type	1	20	12 Multiple Choice questions 3 Answer in one word 3 Fill in the blanks 2 Reason- assertion	20
Very Short Answer Type	2	9	Internal choice will be given in any 3 questions.	18
Short Answer Type	3	8	Internal choice will be given in any 3 questions.	24
Long Answer Type Questions	6	3	Internal choice will be given in all the questions.	18
Total		40		**80**

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम एवं अध्यायवार अंको का विभाजन (2025-26)

कक्षा: 12 **विषय: दर्शनशास्त्र** **कोड: 588**

सामान्य निर्देश:

1. **सामान्य निर्देश:**

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी।

2. वार्षिक परीक्षा 80अंकों की होगीऔर आंतरिक मूल्यांकन 20 अंकों का होगा।

3. आंतरिक मूल्यांकन के लिए:

निम्नानुसार आवधिक मूल्यांकन होगा:

i) 4 अंकों के लिए- दो SAT परीक्षा आयोजित की जाएगी जिनका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 04 अंकों का भारांक होगा।

ii) 2 अंकों के लिए- एक अर्ध-वार्षिक परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।

iii) 2 अंकों के लिए- एक प्री-बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।

iv) 2 अंकों के लिए- विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष की भागीदारी) के लिए मूल्यांकन करेंगे और अधिकत्तम 02 अंक देंगे.

v) 5 अंकों के लिए- छात्रों द्वारा एक परियोजना कार्य किया जाएगाजिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 05 अंकों का भारांक होगा।

vi) 5 अंकों के लिए- विद्यार्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 05 अंक प्रदान किए जाएगें:

75% से 80% तक - 01 अंक
80% से अधिकसे 85% तक - 02 अंक
85% से अधिकसे 90% तक - 03 अंक
90% से अधिकसे 95% तक - 04 अंक
95% से अधिकसे 100% तक - 05 अंक

पाठ्यक्रम-संरचना (2025-26)

कक्षा: 12 **विषय: दर्शनशास्त्र** **कोड: 588**

क्रम संख्या	अध्याय	अंक
1	भारतीय दर्शन और इसके सम्प्रदाय	10
2	बौद्ध दर्शन और जैन दर्शन	10
3	न्याय दर्शन और वैषेशिक दर्शन	10
4	सांख्य दर्शन और योग दर्शन	08
5	भगवद्गीता और वेदान्त दर्शन	08
6	बुद्धिवाद, अनुभववाद और कांट का विश्लेषणात्मक दर्शन	06
7	अरस्तु का कारणता सिद्धांत	08
8	भगवान के अस्तित्व के प्रमाण	06
9	यथार्थवाद और आदर्शवाद	08
10	दण्ड के सिद्धांत	06
	योग	**80**
	आन्तरिक मूल्यांकन	**20**
	कुल योग	**100**

अध्याय 1: भारतीय दर्शन और इसके सम्प्रदाय

• भारतीय दर्शन का अर्थ और स्वरूप

• भारतीय दर्शन की सामान्य विशेषताएं

• भारतीय दर्शन का वर्गीकरण - आस्तिक और नास्तिक

• ऋत और कर्म सिद्धांत

• चार पुरुषार्थ - धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष

अध्याय 2: बौद्ध दर्शन और जैन दर्शन

• बौद्ध दर्शन के चार आर्य सत्य – दुःख, दुःख समुदाय, दुःख निरोध व दुःख निरोध मार्ग

• बौद्ध दर्शन का कारणता सिद्धांत

• बौद्ध दर्शन का मध्यम मार्ग या अष्टांगिक मार्ग

• जैन-दर्शन का अनेकान्तवाद और स्यादवाद सिद्धांत

अध्याय 3: न्याय दर्शन और वैशेषिक दर्शन

• न्याय दर्शन का प्रमाण विचार – प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान और शब्द

• वैशेषिक-दर्शन का पदार्थ विचार – द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, विशेष, समवाय और अभाव

अध्याय 4: सांख्य दर्शन और योग दर्शन

• सांख्य-दर्शन का त्रिगुण – सत्व, रजस् और तमस्

• योग-दर्शन का अष्टांग-योग – यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि।

अध्याय 5: भगवदगीता और वेदान्त दर्शन

• भगवद्गीता में स्वधर्म और लोकसंग्रह

• वेदान्त-दर्शन में आत्मा का स्वरूप, ब्रह्म और जगत्

अध्याय 6: बुद्धिवाद, अनुभववाद और कांट का विश्लेषणात्मक दर्शन

• बुद्धिवाद - बुद्धि में जन्मजात विचार

• जॉन लॉक का द्रव्य सिद्धांत

• अनुभववाद - बुद्धि के जन्मजात विचारो का खंडन

• कांट का विश्लेषणात्मक दर्शन: सामंजस्यवाद

अध्याय 7: अरस्तु का कारणता सिद्धांत

• चार कारण - द्रव्य कारण, निमित्त कारण, आकारगत कारण और लक्ष्य कारण

• कारण-प्रभाव सम्बन्ध

• आकार और द्रव्य

अध्याय 8: भगवान के अस्तित्व के प्रमाण

• भगवान का स्वरूप

• भगवान के अस्तित्व के प्रमाण

• सत्तामूलक प्रमाण

• धर्मशास्त्रमूलक प्रमाण

• ब्रह्मांडमूलक प्रमाण

अध्याय 9: यथार्थवाद और आदर्शवाद

- मन और शरीर की समस्या
- शुभ और उचित का प्रत्यय
- स्वतंत्र इच्छा और दृढ़ संकल्प

अध्याय 10: दण्ड का सिद्धांत

- दण्ड का अर्थ और परिभाषा
- दण्ड का प्रतिरोधात्मक सिद्धांत
- दण्ड का प्रतिशोधात्मक सिद्धांत
- दण्ड का सुधारात्मक सिद्धांत

मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2025-26)

कक्षा: 12 **विषय: दर्शनशास्त्र** **कोड: 588**

मास	विषय- वस्तु	शिक्षण कालांश	दोहराई कालांश
अप्रैल	**भारतीय दर्शन और इसके सम्प्रदाय**	20	4
मई	**बौद्ध दर्शन और जैन दर्शन**	20	4
जून	ग्रीष्म कालीन अवकाश (परियोजना कार्य)		
जुलाई	**न्याय दर्शन और वैशेषिक दर्शन**	20	4
अगस्त	**सांख्य दर्शन और योग दर्शन** **भगवदगीता और वेदान्त दर्शन**	20	4
सितंबर	**बुद्धिवाद, अनुभववाद और कांट का विश्लेषणात्मक दर्शन** **अर्ध वार्षिक परीक्षा**	20	4
अक्तूबर	**अरस्तु का कारणता सिद्धांत**	20	4
नवंबर	**भगवान के अस्तित्व के प्रमाण**	20	4

दिसंबर	**यथार्थवाद और आदर्शवाद**	20	4
जनवरी	**दण्ड का सिद्धांत**	20	4
फ़रवरी	दोहराई	20	4
मार्च	वार्षिक परीक्षा		

नोट:

विषय शिक्षकों को सलाह दी जाती है कि वे छात्रों को शब्दावली या अवधारणा की स्पष्टता को बढ़ाने के लिए अध्यायों में उपयोग की जाने वाली शब्दावली / परिभाषात्मक शब्दों की नोटबुक तैयार करने के लिए निर्देशित करें।

निर्धारित पुस्तकें: नए पाठ्यक्रम पर आधारित किसी भी पुस्तक की सिफारिश स्कूल प्रमुख द्वारा की जा सकती है।

प्रश्न-पत्र प्रारूप (2025-26)

कक्षा: 12 **विषय: दर्शनशास्त्र** **कोड: 588**

समय : 2:30 घंटे

दक्षताएं	**अंक**	**कुल**
ज्ञान	32	40%
बोध	24	30%
अनुप्रयोग	16	20%
कौशल	8	10%
कुल	**80**	**100%**

प्रश्न का प्रकार	**अंक**	**संख्या**	**विवरण**	**कुल अंक**
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1	20	12 बहु विकल्पीय प्रश्न 3 एक शब्द में उत्तर दें 3 रिक्त स्थान भरें 2 अभिकथन- कारण	20
अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न	2	9	किन्हीं दो प्रश्नो में आन्तरिक विकल्प दिए जाएंगे।	18
लघु उत्तरात्मक प्रश्न	3	8	किन्हीं दो प्रश्नों में आन्तरिक विकल्प दिए जाएंगे।	24
दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न	6	3	सभी प्रश्नों में आन्तरिक विकल्प दिया जाएगा	18
कुल		40		**80**